ई-न्यूज

# 24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 21 अक्टूबर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 227



## 24 अक्टूबर को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना : 120kmph की रफ्तार से हवा चलेगी; एक दिन पहले ही शुरू हो जाएगी भारी बारिश

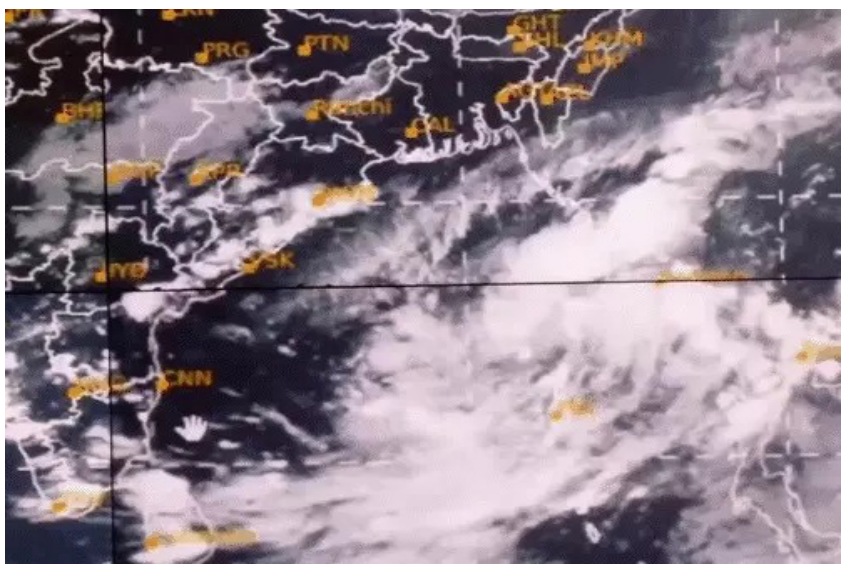

**24 न्यूज अपडेट**

नई दिल्ली. अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा। मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 23 अक्टूबर से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की रफ्तार 60 Kmph तक पहुंचने का अनुमान है, जो 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक बढ़कर 120 Kmph हो जाएगी। IMD के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, तूफान के टकराने से एक दिन पहले यानी 23 अक्टूबर को ही भारी बारिश शुरू हो जाएगी। ओडिशा-बंगाल के तटीय इलाके में कुछ स्थानों पर 24-25 अक्टूबर को 20 सेमी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर 30 सेमी यानी 11 इंच (एक फुट) से ज्यादा बारिश भी हो सकती है।

आज से लो प्रेशर बनना शुरू, 3 दिन में साइक्लोन

मौसम विभाग ने ओडिशा-बंगाल में मछुआरों को 23 से 26 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी है। IMD ने कहा कि सोमवार (21 अक्टूबर) दोपहर तक अंडमान सागर में लो प्रेशर बनने लगेगा। 22 अक्टूबर तक पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर यह डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा। 24 अक्टूबर तक यह साइक्लोन में बदल जाएगा।

### साइक्लोन का 3 राज्यों पर असर

पश्चिम बंगालः पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि कोलकाता, हावड़ा, हुगली और झारग्राम में 23 से 24 अक्टूबर के बीच भारी बारिश हो सकती है। ओडिशाः 24 अक्टूबर को पुरी, खुर्दा, गंजम और जगतसिंहपुर जिलों के लिए अलग-अलग भारी से बहुत भारी बारिश (7 से 20 सेमी) के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें अत्यधिक भारी वर्षा (20 सेमी से अधिक) और बिजली के साथ आंधी की संभावना है।

आंध्र प्रदेशः मौसम बुलेटिन में कहा गया है कि आंध्र प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

## मदरसे बंद करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक गैर-मुस्लिम स्टूडेंट्स का सरकारी स्कूलों में ट्रांसफर भी नहीं होगा; केंद्र-राज्य सरकारों को नोटिस



**24 न्यूज अपडेट**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मदरसों को लेकर दो फैसले दिए। पहला- केंद्र और राज्य सरकारों को मदरसे बंद करने के फैसले पर रोक लगा दी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) ने 7 जून और 25 जून को राज्यों को इससे संबंधित सिफारिश की थी। केंद्र ने इसका समर्थन करते हुए राज्यों से इस पर एक्शन लेने को कहा था।

दूसरा- कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकार के उस आदेश पर भी रोक लगाई, जिसमें मदरसों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सरकारी स्कूल में ट्रांसफर करना था। इसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के साथ-साथ सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम स्टूडेंट्स शामिल हैं।

चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने केंद्र सरकार, NCPCR और सभी राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा।

बेंच ने कहा कि यह रोक अंतरिम है। जब तक मामले पर फैसला नहीं आ जाता, तब तक राज्य मदरसों पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगे। बेंच ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को भी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी।

NCPCR ने कहा- मदरसों में शिक्षा के अधिकार कानून का पालन नहीं हो रहा

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) ने 12 अक्टूबर को कहा था कि 'राइट टु एजुकेशन एक्ट 2009' का पालन नहीं करने वाले मदरसों की मान्यता रद्द हो और इनकी जांच की जाए। NCPCR ने सभी राज्यों को लेटर लिखकर कहा था कि मदरसों को दिया जाने वाला फंड बंद कर देना चाहिए। ये राइट-टु-एजुकेशन (RTE) नियमों का पालन नहीं करते हैं।

आयोग ने 'आस्था के संरक्षक या अधिकारों के विरोधीः बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे' नाम से एक रिपोर्ट तैयार करने के बाद ये सुझाव दिया था। आयोग ने कहा था कि, 'मदरसों में पूरा फोकस धार्मिक शिक्षा पर रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती और वे बाकी बच्चों से पिछड़ जाते हैं।'

## फारूक बोले- कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगाःपड़ोसी आतंकी हमले रोके तभी बातचीत; कल गांदरबल में 7 लोगों की टारगेट किलिंग हुई



**24 न्यूज अपडेट**

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा- अगर इस्लामाबाद भारत के साथ दोस्ताना संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकी घटनाएं रोकनी होंगी।

उन्होंने कहा- दोनों देशों में बातचीत कैसे हो सकती है? आप (पाकिस्तान) हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती।

अब्दुल्ला ने कहा- मैं पाकिस्तान के शासकों से कहना चाहता हूं कि अगर वे वाकई भारत से दोस्ती चाहते हैं, तो उन्हें यह सब बंद कर देना चाहिए। कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। अब्दुल्ला की ये बात 20 अक्टूबर की रात गांदरबल में हुए हमले में 7 लोगों की मौत पर कही।

उधर, जम्मू-कश्मीर के LG मनोज सिन्हा ने भी आज कहा कि सुरक्षाबल गांदरबल हमले में मरने वालों का बदला लेंगे और ऐसी कीमत वसूलेंगे जिसे आतंकवादी आने वाले समय में याद रखेंगे।

### आतंकवादी पाकिस्तान से आ रहे

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- गांदरबल की घटना दर्दनाक है। गरीब मजदूर यहां आजीविका के लिए आते हैं ताकि वे अपने परिवार का पेट भर सकें। इन दरिंदों ने उन्हें शहीद कर दिया। उनके साथ हमारे एक डॉक्टर भी थे जो लोगों की सेवा करते थे। उन्होंने भी अपनी जान गंवा दी।

अब्दुल्ला ने कहा कि अगर आतंकवादियों को लगता है कि वे इस तरह की हरकतों में शामिल होकर जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी हुकूमत स्थापित कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। इन दरिंदों को क्या मिलेगा? क्या वे सोचते हैं कि वे यहां पाकिस्तान स्थापित कर देंगे?

अब्दुल्ला ने कहा हम कई सालों से देख रहे हैं कि आतंकवादी वहां (पाकिस्तान) से आ रहे हैं। हम इस समस्या को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम अपनी मुश्किलों से बाहर निकल सकें। हमें सम्मान के साथ जीने दें, हमें विकास करने दें

अब्दुल्ला ने कहा- पाकिस्तान को कश्मीर के लोगों को शांति और सम्मान के साथ रहने देना चाहिए और अपने देश के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कृपया हमें सम्मान के साथ जीने दें, हमें विकास करने दें। अल्लाह के लिए अपने देश का ख्याल रखें और विकास पर ध्यान दें और हमें अपने भगवान की दया पर छोड़ दें। हम यहां गरीबी और बेरोजगारी को खत्म करना चाहते हैं। इसे आतंकवाद के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता।

अब्दुल्ला ने कहा कि हमले का असर जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों पर पड़ेगा। अगर यह खून-खराबा जारी रहा तो हम कैसे आगे बढ़ेंगे? समय आ गया है कि उन्हें इसे रोकना चाहिए, नहीं तो बाद में इसके परिणाम कठोर होंगे।

## फ्लाइट्स में बम की धमकी पर लीगल एक्शन लेगी सरकार : एविएशन मिनिस्टर बोले- दोषियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डालेंगे; अब तक 100 धमकियां मिल चुकीं

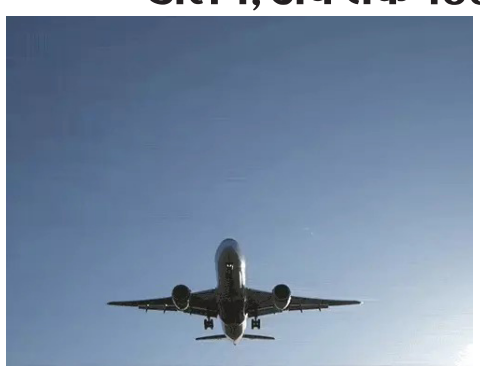

**24 न्यूज अपडेट**

नई दिल्ली.सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट्स में बम की धमकियों से निपटने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बनाई जा रही है। धमकी देने वालों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला जाएगा। एविएशन सिक्योरिटी नियमों के साथ ही सिविल एविएशन एक्ट, 1982 में संशोधन की भी योजना बनाई जा रही है।

वहीं, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) के महानिदेशक जुल्फिकार हसन और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF) के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने भी सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की। करीब आधे घंटे चली, लेकिन बैठक का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है।

गृह मंत्रालय ने फ्लाइट्स में बम की धमकियों के संबंध में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और BCAS से डिटेल रिपोर्ट मांगी थी। CISF, NIA और IB को भी रिपोर्ट देने को कहा गया था। 20 अक्टूबर को भारतीय एयरलाइंस की 25 फ्लाइट्स में बम की धमकियां मिली थीं।

इस हफ्ते करीब 100 फ्लाइट्स में बम होने की धमकियां मिली हैं। इसके बाद केंद्र सरकार ने सिविल एविएशन के महानिदेशक (DGCA) विक्रम देव दत्त को पद से हटा दिया था। फ्लाइट्स में लगातार मिल रही बम की धमकियों के बीच सोमवार को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी है। आतंकी ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही है। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने को कहा है।

पन्नू ने कहा- इस साल 1984 के सिख दंगों की 40वीं बरसी है। दंगों में 13 हजार से अधिक सिख मारे गए थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। पूरी घटना भारत सरकार ने की थी। विदेश यात्रा करने वाले लोग 1 से 19 नवंबर तक एअर इंडिया का बायकॉट करें।

## आतंकी पन्नू की एअर इंडिया फ्लाइट में विस्फोट की धमकीःकहा- 1 से 19 नवंबर तक सफर ना करें, 1984 के सिख दंगों का बदला लेंगे




**24 न्यूज अपडेट**

अमृतसर. अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (SFJ) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी। पन्नू ने कहा- ''नवंबर में 1984 में हुए सिख दंगों की 40वीं बरसी है। 1984 में 13 हजार से अधिक सिख, महिलाओं और बच्चों को मार दिया गया। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। ये पूरी घटना भारतीय हुकूमत द्वारा की गई थी। विदेशों में यात्रा करने वाले लोग 1 से लेकर 19 नवंबर तक एअर इंडिया का बायकॉट करें।'' पन्नू ने पायलट्स को धमकाया कि बोर्ड पर संदिग्ध बम हो सकता है। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में हरियाणा के रहने वाले विकास यादव को अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने मोस्ट वांटेड करार दिया है। FBI ने विकास को भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ का अधिकारी बताया।

### पन्नू ने पिछले साल भी दी थी धमकी

इससे पहले 4 नवंबर 2023 को भी पन्नू ने वीडियो जारी कर एअर एंडिया के विमानों को उड़ाने की धमकी दी थी। पन्नू ने एक मिनट का वीडियो जारी किया था। कहा था- 19 नवंबर को एअर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है। विमानों को उड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसके बाद 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी। उसने कहा कि 19 नवंबर को वही दिन है, जब क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल होना था।

इसके बाद पिछले साल NIA ने पन्नू के खिलाफ आईपीसी की धारा 1208, 153ए और 506 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 10, 13, 16, 17, 18, 188 और 20 के तहत मामला दर्ज किया था।

## संपादकीय : दोहरा रवैया

कनाडा के बाद अब अमेरिका ने भारत द्वारा घोषित एक आतंकी और खालिस्तान समर्थक को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की है। वहां की खुफिया एजंसी एफबीआइ ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में एक भारतीय नागरिक को अति वांछित घोषित किया है। इससे संबंधित एक सचित्र पोस्टर भी जारी कर दिया है। एफबीआइ ने उसे भारतीय खुफिया एजेंसी 'ग' का एजंट बताया है। उसके खिलाफ न्यूयार्क की एक अदालत में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। हालांकि भारत सरकार ने एफबीआइ के इस आरोप का खंडन करते हुए कहा है कि वह व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। कुछ समय पहले अमेरिका के सुरक्षा विभाग ने आरोप लगाया था कि दो भारतीय नागरिकों ने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी, उसे मारने के लिए निशानेबाजों को पैसे भी दिए थे। इस संबंध में भारत और अमेरिका के सुरक्षा अधिकारियों की परस्पर बातचीत भी हुई, मगर अमेरिका अपने रुख पर अड़ा हुआ है कि इस तरह किसी दूसरे देश के नागरिक उसके देश में घुस कर उसी के नागरिक की हत्या की साजिश रचेंगे, तो यह अक्षम्य अपराध है। जिन दो भारतीय नागरिकों को साजिशकर्ता बताया गया है, उन पर धनशोधन और गलत तरीके से धन की लेनदेन का भी मुकदमा दर्ज किया गया है। कनाडा का आरोप है कि उसके एक नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजंसियों के लोग शामिल थे। यहां तक कि उसने कनाडा में भारतीय दूतावास के अधिकारियों को भी इस साजिश में शामिल बता दिया। इसे लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया और भारत ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा से अपने सभी दूतों को वापस बुला लिया और कनाडा के दूतों को वापस भेज दिया। अब पन्नू मामले को तूल देकर एक तरह से अमेरिका कनाडा के साथ खड़ा हो गया है। इन दोनों देशों की अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता एक बात है, मगर उनके ताजा रुख से आतंकवाद को लेकर उनका दोहरा रवैया ही पता चलता है। विश्व व्यापार केंद्र पर आतंकी हमले के बाद अमेरिका ने दुनिया भर के देशों से अपील की थी कि वे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हों । भारत शुरू से अमेरिका की इस मुहिम में साथ खड़ा रहा है। मगर विचित्र है कि भारत ने जिन आतंकियों को चांछित घोषित कर रखा है, उनके खिलाफ न तो कनाडा ने कभी सकारात्मक रुख दिखाया और न अमेरिका ने । जिस पन्नू को लेकर अमेरिका नागरिक अधिकारों की सुरक्षा का परचम फहरा रहा है, वह भारत का घोषित आतंकी है। यह कोई नई बात नहीं है कि कई देश अपने यहां आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ दूसरे देशों में भी घुस कर अभियान चलाते रहे हैं। अमेरिका खुद अपने घोषित आतंकियों की पहचान कर दूसरे देशों की जमीन पर उन्हें मार चुका है। वह बड़े गर्व से इसका बखान भी करता रहा है, चाहे वह लादेन रहा हो, अल जवाहिरी या कासिम सुलामानी। इजराइल भी यही काम करता रहा है । भारत तो उनसे अपने आतंकियों के खिलाफ उनसे कार्रवाई की मांग करता रहा है, उस पर ध्यान देना उन्हें जरूरी नहीं लगता । पन्नू मामले को इतना तूल देकर आखिर अमेरिका ने यही साबित किया है कि दूसरे देशों के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चलाने वालों के प्रति उसका रवैया नरम है। उसके इस रुख से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और कमजोर होगी।

### आतंक का सिलसिला

कश्मीर में पिछले कुछ समय से, बाहरी राज्यों से गए मजदूरों पर, लक्षित आतंकी हमलों का जो दौर शुरू हुआ है और उसमें जैसी निरंतरता देखी जा रही है, वह अब सरकार और वहां तैनात सुरक्षा बलों के लिए एक जटिल चुनौती बन रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में एक प्रवासी मजदूर का शव मिला था । रोजी-रोटी की तलाश में बिहार से वहां गए मजदूर को दो गोलियां मारी गई थीं। अनुमान है कि दहशतगर्दीं ने लक्षित हमले की अपनी रणनीति के तहत उस मजदूर की हत्या कर दी। यों, यह कोई पहली घटना नहीं है, मगर सच यह है कि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों के शिविरों से लेकर प्रवासी मजदूरों तक के घरों पर हमला करने के पीछे उनकी हताशा दिखती है। हालांकि आतंकवादी गिरोहों से किसी तरह के विवेक की उम्मीद करना बेमानी है, मगर हैरानी की बात यह है कि बेहद कमजोर तबके के ऐसे लोगों को भी मार डालने में वे नहीं हिचकते, जो महज रोजी-रोटी की उम्मीद में अपनी जमीन से उखड़ कर वहां पहुंचे होते हैं । जम्मू-कश्मीर में लक्षित हमलों के रूप में आतंकी हमलों की यह नई प्रकृति है, जिसमें आतंक का दायरा फैल रहा है। निश्चित रूप से यह चिंता की बात है और सुरक्षा बलों के साथ सरकार को आतंकवाद के इस नए चेहरे से निपटने के लिए अलग रणनीति पर काम करने की जरूरत है। इस समस्या के जटिल होते जाने की मुख्य वजह यह रही है कि इसके तार सीमा पार के ठिकानों से संचालित संगठनों से जुड़े हैं। वहीं से मिलने वाले संरक्षण और पोषण का नतीजा है कि कभी सुरक्षा बलों के शिविर पर हमला करके, तो कभी किसी प्रवासी मजदूर की हत्या कर आतंकी अपनी मौजूदगी दर्शाना चाहते हैं। हाल में हुए विधानसभा चुनावों के बाद वहां एक चुनी हुई सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है और उसके बाद यह स्वाभाविक उम्मीद जगी है कि वह अपनी सीमा में आतंकवाद और खासतौर पर लक्षित हमलों पर काबू पाने के मामले में सख्त कदम उठाएगी। यही उसकी कसौटी भी है कि इस दिशा में वह क्या कर पाती है।

# जहांपना!!! काली बावड़ी में हो रहे कचरे के साम्राज्य विस्तार को रोकिये, बदबू से मरे जा रही है जनता-जनार्दन, डेंगू मच्छरों के महापड़ाव से पहले स्वच्छता युद्ध हो गया है जरूरी



**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। यह स्मार्ट सिटी के काली बावड़ी इलाके का कचरा डंपिंग यार्ड है जहां पर चारों तरफ गंदगी, बदबू और अव्यवस्थाओं का साम्राज्य है। निगम के कर्मचारियों ने शहर से बहुत ही स्मार्ट तरीके से एक ही ट्रॉली में भरकर गीला और सूखा कचरा यहां एक साथ बेतरतीब तरीके से डाल दिया है। कचरा डालने वालों की मेहरबानी से शेड के नीचे अपनी तय जगह से कचरा बहुत लंबा सफर तय करते हुए अब गली के मुहाने तक आ गया है। उससे उठती बदबू का आलम ये है कि एक मिनट भी यहां खड़े रहना खुद को बीमार करने का निमंत्रण देने जैसा है। आस पास रहने वाले लोग जाने कैसे इस बदबू को दिन-रात सहन करते होंगे। इस नारकीय हालत में भी गौमाता अपनी भूख मिटाने के लिए यहां फैला प्लास्टिक खाने को मजबूर हैं तो यहां कचरा बीनने वालों का पूरे दिन तांता लगा रहता है। आस-पास के लोग कहते हैं कि निगम के कर्मचारियों की मेहरबानी से ये हालात बने है। उनका दावा है कि महापौर, उप महापौर या फिर विधायक या सांसद यहां पर आएं और पांच मिनट खड़े रह कर दिखा दें। उनको पता चल जाएगा कि कचरे के ढेर के आसपास के इलाकों में क्या परेशानी हो रही है। दस कदम दूर ही मिठाइयों की दुकानें हैं और अभी दीपावली का सीजन चल रहा है। आप समझ जाइये कि इस कचरे में निवास करने वाले डेंगू के मच्छर, मक्खियां और अन्य वायरस किस तरह से ग्राहकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी गली में सुलभ शौचालय भी है जहां पर जाना कचरे ने दुर्लभ कर रखा है। वहां तक पहुंचने के लिए पहले कचरे से जंग लड़नी पड़ती है। यह कचरा लंबे समय से यहां पर खुला हुआ पड़ा है। मौके पर कोई गार्ड भी नहीं है। गौमाता प्लास्टिक का सेवन कर रही है जिससे गौभक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। यहां पर आस पास के कचरे को छोटी ट्रोलियों में लाकर रोज खाली किया जाता है। कर्मचारी जहां मर्जी पड़ती है, ढेर लगाकर चलते बनते हैं। गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके इकट्ठा करने की स्मार्ट सिटी तक में कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है जबकि करोड़ों खर्च करके हर चीज के स्मार्ट होने के सपने दिखाए गए थे। यह कचरा लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है साथ ही नगर निगम की व्यवस्थाओं की भी पोल खोल रहा है। निगम का प्रशासन देखने वालों से क्षेत्रवासियों ने निवेदन किया है कि मनोरंजक मेले से थोड़ी फुर्सत मिले तो कचरे के इस मेले पर भी ध्यान दें और राहत दिलाएं।

# संतों का निमंत्रण स्वीकारा, बांसवाड़ा आएंगे मोरारी बापू, 20 से 27 नवम्बर तक विराट धार्मिक महोत्सव



**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट. बांसवाड़ा। प्राचीन ऐतिहासिक एवं सिद्ध तपोभूमि लालीवाव मठ में 20 से 27 नवम्बर तक विराट धार्मिक महोत्सव होने जा रहा है। इसमें रामकथा वाचक संत मुरारी बापू ले आने की सहमति प्रदान की है। लालीवाव के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंत हरिओमदासजी महाराज के नेतृत्व में महुआ (गुजरात) स्थित उनके आश्रम पहुंचे। इस दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने मुरारी बापू को बताया कि तपोभूमि लालीवाव मठ में 20 से 27 नवम्बर तक सर्व पितृ मोक्ष के लिए दिव्य अनुष्ठानों के अन्तर्गत नव कुंडिया श्री महाविद्या, श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, भागवत परायण एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का वृहद् आयोजन किया जा रहा है। मुरारी बापू को लालीवाव में होने वाले विराट धार्मिक महोत्सव का आमंत्रण पत्र भेंट किया गया जिस पर उन्होंने इसे स्वीकार करते हुए बांसवाड़ा में हो रहे विराट धार्मिक महोत्सव पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसमें शामिल होने के लिए सहमति जताते हुए बांसवाड़ा वासियों की ओर से मुरारी बापू का शाल ओढ़ाकर सत्कार किया गया। प्रतिनिधिमंडल में हरिओमदासजी महाराज के साथ ही गरीबराम बापू, संत हरिदास महाराज सहित गुजरात के विभिन्न आश्रमों व मठों के संत, आयोजन समिति के प्रतिनिधि सुधीर चौबीसा, अनिल पंड्या, विपीन भट्ट, ललित कुमार आचार्य आदि शामिल रहे।

# गुजरात बॉर्डर पर कार से पकड़ी करीब ढाई लाख की शराब, एक तस्कर गिरफ्तार



**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। विधानसभा चुनावों को लेकर पुलिस चाक चौबंद हो गई है। चौरासी सीट पर चुनाव हैं और पुलिस ने गुजरात बॉर्डर पर कई जगह नाकाबंदी कर रखी है जहां पर रोज सोना-चांदी, कैश, शराब आदि बरामद हो रहे है। केवल चुनावों के दिनों में ही कार्रवाई से इनता जखीरा पकड़ा जाता है तो सोचिये, आम दिनों में यहां पर पुलिस व प्रशासन की मिलीभगत से ना जाने क्या होता होगा। बहरहाल, अभी खबर ये है कि कुआ थाना पुलिस और एफएसटी की टीम ने शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। कार से करीब ढाई लाख की शराब बरामद करते हुए एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामेंग पाटीदार ने बताया कि चौरासी विधानसभा उपचुनाव को लेकर एसपी मोनिका सैन ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर विशेष निर्देश दिए हैं। डूंगरसारण बॉर्डर पर कुआ थाना पुलिस व एफएसटी की टीम ने नाकेबंदी कर रखी थी। इस दौरान दरियाटी की ओर से आ रही एक कार को रुकवाया तो कार ड्राइवर ने अपना नाम बाड़मेर निवासी जयसिंह बताया। वहीं, पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो कार में भारी मात्रा में शराब मिली। ड्राइवर जयसिंह से शराब के परिवहन संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो उसके पास कोई दस्तावेज नहीं थे। जिसके चलते पुलिस ने कार व शराब को जब्त करते हुए आबकारी अधिनियम में ड्राइवर जयसिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कार से शराब के 38 कार्टन बरामद किए हैं। जब्त शराब की कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

# बंधन मुक्त होना चाहते हैं कांग्रेसी, पर्यवेक्षकों के सामने दिखाया दमखम, गठबंधन नहीं करने की मांग



**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। चौरासी सीट पर कांग्रसी अब बंधन मुक्त होना चाहते हैं। गठबंधन नहीं करना चाहते हैं व अपने अस्तित्व को दिखाते हुए जंग जीतना चाहते हैं। कांग्रेस पर्यवेक्षकों की टीम के सामने आज दावेदारों ने जमकर शक्ति प्रदर्शन किया व कहा कि बाप से गठबंधन बर्दाश्त नहीं है। ऐसे में फाइट त्रिकोणीय होती दिख रही है। चौरासी विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर पीसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षकों की टीम डूंगरपुर पहुंची। सीमलवाडा में कांग्रेस पर्यवेक्षकों की टीम के सामने टिकट के दावेदारों ने अपने समर्थको के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं, पर्यवेक्षकों ने दावेदारों व प्रमुख कार्यकर्ताओ से बात की। दावेदारों में से जिसको भी टिकट मिले एकजुट होकर चुनाव जिताने की कसम भी दिलाई। उपचुनाव को लेकर अभी तक सिर्फ बीएपी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा की है जबकि भाजपा व कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस से टिकट को लेकर पीसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया, पिपलादा विधायक चेतन पटेल डूंगरपुर के सीमलवाडा पहुंचे। कांग्रेस से टिकट चाहने वाले दावेदारों ने समर्थकों के साथ पर्यवेक्षकों के समक्ष शक्ति प्रदर्शन किया। जमकर नारेबाजी की गई। पर्यवेक्षकों ने बारी बार से सभी आकांक्षियों से बात की व प्रमुख कार्यकर्ताओ का भी मन लिया। वैसे चलेगी तो आला कमान की मगर कार्यकर्ताओं में संदेश की खातिर यह एक्सरसाइज की गई है। कार्यकर्ताओं ने पर्यवेक्षकों से उपचुनाव में बीएपी से गठबंधन नहीं करने की मांग बार बार दोहराई तो पर्यवेक्षक सुखराम विश्नोई ने कार्यकर्ताओं की कहा की उनकी भावना को कांग्रेस आलाकमान तक पहुंचाई जाएगी। वैसे आलाकमान कितनी बातें सुनता है यह सबको पता है।

# करवा चौथ का उद्यापन



**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। करवा चौथ उद्यापन प्रेम, श्रद्धा और उल्लास के साथ महिलाओं ने सी ब्लॉक सेक्टर 9 उदयपुर में मनाया गया। इंदुबाला पूर्बिया ने बताया कि पति की लम्बी आयु के लिए यह व्रत किया जाता है। सभी महिलाओं ने निर्जला रहकर व्रत किया।चौथ माता की पुजा कर कथा का श्रवण किया। सोलह श्रृंगार कर चंद्रमा के दर्शन कर छन्नी में दिपक रख कर पति चेहरा देखकर कर पुजा की और बुजुर्गो से आशीर्वाद लिया। उद्यापन में व्रत धारी 16 जोड़ों की महिलाओं को सुहाग की सामग्री, जिसमें साड़ी,कांच कंघा,बिन्दी, चुड़िया,नेल पॉलिश, रुमाल, मेहंदी आदि सामग्री भेंट की। और पुरुषों को तिलक लगाकर श्रीफल भेंट किया।

# जोधपुर में हॉस्पिटल में रील बनाने वाला गिरफ्तार, मरीजों की कतारों के बीच नाच रहा था




**24 न्यूज अपडेट**

जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में चार दिन पहले मरीजों के बीच रील बनाकर डांस करने वाले युवक को सरदारपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस संबंध में सख्त कार्रवाई की है। थानाधिकारी दिलीपसिंह ने बताया कि पुलिस ने नागौरी गेट सिंधी साहब जादों का मोहल्ला भील बस्ती निवासी हितेश भील को गिरफ्तार कर लिया। 17 अक्टूबर को महात्मा गांधी हॉस्पिटल के ओपीडी वार्ड में मरीजों की बीच युवक ने डांस का वीडियो बनाकर वायरल किया था। ओपीडी में बीमार मरीजों और पर्ची कटवाने आए लोगों के बीच डांस करना पुलिस व पब्लिक को रास नहीं आया। पुलिस ने बताया कि हॉस्पिटल में युवक की इस हरकत से मरीजों को परेशानी हुई है। प्रसिद्धि के लिए अनुचित स्थान पर रील बनाकर समाज में गलत संदेश प्रसारित किया गया। ऐसे में युवक को पाबंद किया गया है।

# आमिर सोहेल की धुआंधार बल्लेबाजी से उदयपुर जीता




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। राजस्थान सुपर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट खेल गांव उदयपुर पिछले तीन दिनों से चल रहें हैं। तीसरे दिन के खेल में कुल पांच मुकाबले खेले गए।आयोजन समिति के शाहरुख खान ने बताया कि दूसरा मुकाबला उदयपुर रॉयल्स व चित्तौड़गढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया ।उदयपुर रॉयल्स टीम व लिमरा चारकोल समूह के मालिक गुलाम नबी ने बताया कि उदयपुर रॉयल्स ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। चित्तौड़ ने निर्धारित 10 ओवर में उदयपुर रॉयल्स को 90 रन का लक्ष्य दिया। उदयपुर रायल्स एक समय असमंजस की स्थिति में दिखती हुई उदयपुर की टीम को शेखावाटी के शेर आमिर सोहेल और मेवाड़ की शान सद्दाम शेख ने धुआंधार बल्लेबाजी कर विजयश्री दिलाई। आमिर सोहेल ने 18 गेंद पर अर्धशतकीय पारी खेल कर मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया । अन्य मुकाबलो में राजसमंद रॉयल्स और जोधपुर टाइटंस ने भी विजय हासिल की। मुख्य अतिथि उदयपुर जिलाधीश अरविंद पोसवाल व जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने आमिर सोहेल को मैन आफ मैच का पुरस्कार दिया।

# अग्र बृज रज मनाएगा गोवर्धन पूजा उत्सव



**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर , उदयपुर में पहली बार बने संगठन अग्र बृज रज द्वारा आगामी गोवर्धन पूजा दिनांक 2 नवम्बर को बड़े ही धूमधाम से मनाने का निर्णय किया है । संगठन के मुखिया रविन्द्र अग्रवाल ने बताया कि उक्त संगठन में भरतपुर, धौलपुर,अलवर,करौली,सवाईमाधोपुर ,गंगापुर,डीग जिलों के अग्र बंधुओ को सम्मलित कर ऐसा प्रयास किया जा रहा है कार्यक्रम के संयोजक सी पी बंसल व सत्यनारायण गुप्ता द्वारा तैयारियां पूर्ण करते हुए बताया कि यह आयोजन शुभ केसर गार्डन में सांय 6 बजे से प्रारम्भ होगा जिसमें पारम्परिक गोवर्धन पूजा के साथ महिलाओं द्वारा मंगलगीत गाये जाएंगे और वृज क्षेत्र का प्रसिद्ध दाल बाटी चूरमा से सभी का वात्सल्य होगा ।

# डोटासरा बोले- उपचुनाव में गठबंधन नहीं : हम सातों सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, पैनल तैयार



**24 न्यूज अपडेट**

जयपुर. राजस्थान कांग्रेस ने उपचुनाव में बिना गठबंधन मैदान में उतरने का फैसला किया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि उपचुनाव में हम किसी से गठबंधन नहीं कर रहे हैं। हम सातों सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस वॉर रूम में सोमवार को सातों विधानसभा सीटों पर पैनल तैयार करने और गठबंधन के मुद्दे पर कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक के बाद डोटासरा ने मीडिया से बातचीत में कहा- हमारी सातों सीटों पर तैयारी है। हमने सातों सीटों पर उम्मीदवारों के पैनल तय कर लिए हैं। सातों सीटों पर अलग-अलग उम्मीदवारों के पैनल भेजेंगे, उसकी चर्चा कर ली है।

बैठक में डोटासरा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, पूर्व विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी, राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह और तीनों सह प्रभारी सचिव भी मौजूद थे। गठबंधन के लिए न हमसे किसी ने संपर्क किया, न हमने

डोटासरा ने कहा- राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सातों सीटों पर उम्मीदवारों का पैनल तय कर हाईकमान को भेज रही है। अब हाईकमान गठबंधन पर कोई निर्देश दे दे तो उससे हम बंधे हुए हैं, लेकिन हमारा मत सातों सीटों पर लड़ने का है।

उन्होंने कहा- सातों सीटों पर हमारा पैनल प्रदेश प्रभारी रंधावा हाईकमान के पास लेकर जा रहे हैं। हाईकमान के साथ डिस्कस करेंगे, उसके बाद कभी भी टिकट घोषित हो जाएंगे।

रंधावा बोले- सातों सीटों पर पैनल, अपने बलबूते लड़ेंगे चुनाव

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- गठबंधन के लिए अगर किसी ने संपर्क किया होगा तो दिल्ली में चर्चा करेंगे। लेकिन, राजस्थान कांग्रेस ने सातों सीटों पर पैनल दिया है। राजस्थान कांग्रेस ने अपने बलबूते चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

BAP पहले दो सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी, अब RLP से भी किनारा

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP), सीपीएम और भारत आदिवासी पार्टी (BAP) के साथ गठबंधन किया था। आरएलपी के लिए नागौर सीट और सीपीएम के लिए सीकर सीट छोड़ी थी। हनुमान बेनीवाल की आरएलपी से अब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने गठबंधन नहीं करने का मत जाहिर किया है।

भारत आदिवासी पार्टी (BAP) सलूंबर और चौरासी सीट पर पहले से ही उम्मीदवार उतार चुकी है। ऐसे में उससे गठबंधन के रास्ते बंद हो चुके हैं। अब कांग्रेस हाईकमान के स्तर पर ही फैसला बदल सकता है। राजस्थान कांग्रेस में एक नेताओं का वर्ग गठबंधन के खिलाफ है। डोटासरा सहित कई वरिष्ठ नेता अकेले दम पर चुनाव लड़ने के पक्ष में हैं।

# इमरजेंसी में सुपरिटेडेंट का ड्राइवर लगाता दिखा मरीजों के इंजेक्शन



**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। जयपुर में जयपुरिया हॉस्पिटल में एक ड्राइवर मरीजों का इलाज करते हुए कैमरे में कैद हो गया। यह इंजेक्शन तक लगा रहा है। वार्ड में राउंड लेता है व मरीजों की जानकारियां पूछकर फीडबैक किसी को देता है। जयपुरिया हॉस्पिटल के ही अधीक्षक महेश मंगल का ड्राइवर यह सब करता है। उससे दूसरे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ परेशान हैं मगर बोल नहीं रहे। अब वीडियो सामने आया है तो अगर सब ठीक रहा व उपर तक सेटिंग नहीं हुई तो कार्रवाई की संभावना बन रही है। आज वायरल हुए वीडियो में दिख रहा है कि ड्राइवर नाहर सिंह इमरजेंसी में गया व इंजेक्शन लगाने लग गया। एक स्टाफ ने बताया किपिछले कुछ समय से ड्राइवर वार्ड में आता है, राउंड लगाता है। कुछ मरीजों से बातचीत करता है, इंजेक्शन लगाने के साथ ड्रिप बदलने का भी काम करता है। इमरजेंसी में दिखाने आए मरीजों को इंजेक्शन दवाइयां देता है। कोई भी स्टाफ की उसे टोकने की हिम्मत नहीं करता है। क्योंकि वह अधीक्षक का निजी ड्राइवर है। कुछ समय पहले देर रात में वार्ड में आने की घटना के बाद ड्राइवर का स्टाफ और सुरक्षा गार्ड से विवाद भी हुआ था पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्टाफ के लोगों का कहना है ड्राइवर मरीजों को निजी हॉस्पिटल में रैफर होने के लिए काउंसलिंग करके सेटिंग भी करता है। वह कई बार मरीजों को सरकारी एम्बुलेंस में बैठाकर प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर भर्ती करवा चुका है। रात में सरकारी एम्बुलेंस चलाता है व दिन में अधीक्षक का वाहन चलाता है। जयपुरिया हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर महेश मंगल ने मीडियो को बताया कि मामला अगर सच है तो गंभीर है। मैं जांच कर बताता हूं। ड्राइवर पर नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए कहता हूं।

# स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत:हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा, मॉर्च्युरी के बाहर परिजनों ने किया प्रदर्शन



**24 न्यूज अपडेट**

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में एक बाइक सवार युवक को स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे लोगों ने जिला हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन वहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने मॉर्च्युरी के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग की। इनका कहना है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मान ली जाती, जब तक यहां से शव नहीं उठाया जाएगा। मामला शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र में रहने वाला सुरेश बारेठ बाइक से अपनी बुआ से मिलने जा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार गंभीर युवक रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोग उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने आज भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर प्रदर्शन किया। मृतक के छोटे भाई हंसराज बारेठ ने बताया- रविवार देर रात 10 बजे मेरा बड़ा भाई सुरेश बाइक से मेरी बुआ से मिलने जा रहा था। इसी दौरान यूआईटी के पास एक व्हाइट रंग की तेज रफ़्तार स्कॉर्पियो ने मेरे भाई को टक्कर मार दी। इसके बाद ड्राइवर वहां से भाग निकला । ड्राइवर की लापरवाही के चलते आज मेरे भाई की मौत हो गई। अगर समय रहते वो मेरे भाई भाई को हॉस्पिटल पहुंचा देता तो शायद मेरा भाई बच जाता। मैं प्रशासन से मांग करता हूं कि मेरे भाई को न्याय मिले। मेरे भाई के एक डेढ़ वर्ष का पुत्र भी है, उसके सिर से भी पिता का साया उठ चुका है। मैं पुलिस प्रशासन से मांग करता हूं की सख्त और निष्पक्ष जांच की जाए। जिससे मेरे भाई को न्याय मिल सके। जब तक हमारी मांगे नहीं मान ली जाती, हम सबको यहां से नहीं उठाएंगे।

# कोटा में स्कूल बस पलटी, एक बच्चे की मौत:19 घायल, सड़क से 5 फीट नीचे उतरी; कांच तोड़कर बच्चों को निकाला



**24 न्यूज अपडेट**

कोटा. कोटा शहर के नांता थाना क्षेत्र में सोमवार (21 अक्टूबर) को स्कूल बस पलट गई और सड़क से 5 फीट नीचे उतर गई। हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई। 19 बच्चे घायल हैं। बस में 30 स्टूडेंट सवार थे। दोपहर 1:30 बजे हुए हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बस में फंसे बच्चों को कांच तोड़कर बाहर निकाला। गंभीर घायल 20 बच्चों को इलाज के लिए हॉस्पिटल लाया गया। प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक छात्र लोकेश बैरवा (14) की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजन बेसुध हो गए।

नांता थाना SHO नवल किशोर शर्मा ने बताया- हादसा कैसे हुआ, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। घायल एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती हैं। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। बस को जेसीबी की मदद से सीधा करवाया गया है। बस को थाने लेकर आए हैं। स्टीयरिंग फेल होने से पलटी बस!

कोटा उत्तर के वार्ड 29 के पूर्व सहवृत्त पार्षद लटूर लाल ने बताया- सुभाष नगर स्थित सत्यम स्कूल की बस छुट्टी होने के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। ट्रैकिंग ग्राउंड से पहले करणी नगर चौराहे पर अचानक स्कूल बस पलट गई। सड़क से 5-6 फीट नीचे जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद को दौड़े। कांच तोड़कर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। स्टीयरिंग फेल होना हादसे का कारण बताया है।

## लोकसभा स्पीकर ने घायल बच्चों के हाल जाने

एमबीएस हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. धर्मराज मीणा ने बताया- स्कूल बस पलटने की सूचना पर हॉस्पिटल में अलर्ट किया था। एक बच्चे के सिर की चमड़ी में कट लगा है। बाकी सभी ठीक हैं। उनके कोहनी में रगड़ है। बच्चों को पहले कुन्हाड़ी स्थित निजी हॉस्पिटल ले जाया गया था। वहां लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने घायल बच्चों से मुलाकात की। डॉक्टर से बच्चों की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

## 9वीं क्लास में पढ़ता था छात्र

मृतक लोकेश बैरवा 9वीं कक्षा का स्टूडेंट था। वह मूल रूप से अयाना कस्बे का रहने वाला था। वर्तमान में परिजन के साथ नांता इलाके में रहता था।

लोकेश के पिता बृज मोहन ईंट भट्टों पर मजदूरी करते हैं। लोकेश का एक बड़ा भाई है, जिसका नाम पवन है। बच्चे के पिता ने ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी है। बच्चे का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है

# मिलीभगत का खेल : हत्यारे पहाड़ काटते रहे, ये सोते रहे, नोटिस दिया तब जी प्लस अधूरा था, एक महीने बाद कार्रवाई की तब जी प्लस टू बन गया




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर। हाईकोर्ट के आदेशों को मिलीभगत से उदयपुर में हवा में उडाते हुए पहाडों के हत्यारों को सपोर्ट किया जा रहा है। आज यूडीए की एक कार्रवाई से ये साफ हो गया कि किसी को कोई डर नहीं है। हाईकोर्ट ने निर्माणों को चिन्हित करते हुए साफ आदेश दिए थे मगर निर्माण कर्ताओं में बिल्कुल भी कानून का या जेल जाने का डर नहीं रहा। आज यूडीएने निर्माण रूकवाया तब तक हालत ये थे कि जब सितंबर में मौका निरीक्षण किया तो जी प्लस बन अधूरा था, आज सीज करने गए जो जी प्लस टू बन चुका था। यह किसकी मिलीभगत से हुआ, जांच जरूरी है। यूडीए के अधिकारी आखिर किस बात की तनख्वाह लेते हैं। उनका काम है नजर रखना, चौकस रहना और कानून के कहे अनुसार चलना। निर्माण हुआ तो अधिकारी भी उतने ही दोषी है, उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। यही सब चलता रहा तो अरावली के पहाडों का नामोनिशान मिट जाने वाला है। ऐसे लोगों की वजह से ही पेंथर आदमखोर हुए जा रहे हैं क्योंकि जंगल पहाड काटे जा रहे हैं। राजस्व ग्राम कालारोही (सीसारमा) के आराजी संख्या 1020 भूखण्ड संख्या 01 क्षेत्रफल 167883.55 वर्गफीट भूमि पर कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा क्रमांक एफ-7( ) यू. आई.टी/बी-प्लान/2023/642-643 दिनांक 21-04-2023 से पर्यटन ईकाई (रिसोर्ट) प्रयोजनार्थ प्रोविजनल निर्माण स्वीकृति जारी की गई । उक्त भूमि मौके पर एक पहाडी भूमि है, जिस पर प्राधिकरण द्वारा नगरीय क्षेत्र में स्थित पहाड़ो के संरक्षण हेतु मॉडल विनियम - 2018 दिनांक 07-05-2018 को जारी अधिसूचना के तहत जारी की गई है । उक्त अधिनियम पर माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर डी. बी. सिविल मिस. सेकण्ड एप्लीकेशन संख्या 19428/2023 एवं डी. बी. सिविल रिट पिटीशन संख्या 1374 / 2019 झील संरक्षण समिति बनाम राज्य व अन्य से दिनांक 24-08-2024 से हिल पोलिसी पर रोक लगा दी गई है । उक्त प्रकरण में प्राधिकरण भी पक्षकार है । माननीय न्यायालय प्रकरण में प्राधिकरण द्वारा उदयपुर शहर में 43 पहाडिया स्वीकृति एवं बिना स्वीकृति के हो रही अवैध पहाडी कटिंग के सम्बन्ध चिन्हित की गई एवं जहा पर किसी भी प्रकार का निर्माण पाया गया है उन पर नोटिस आदि जारी किये गये एवं निर्माण/कटिंग को रूकवाया गया । उक्त 43 प्रकरण में उक्त भूमि का भी एक प्रकरण है जिसको चिन्हित कर रिपोर्ट माननीय न्यायालय में भी प्रस्तुत की गई । इस कार्यवाही के दौरान प्राधिकरण दल द्वारा मौके पर Hill Policy का उल्लघंन पाये जाने एवं नियमो दिनांक से अधिक कटिंग का कार्य किया जाया पाये जाने पर इस कार्यालय के नोटिस 19-04-2024 से मौके पर किये जा रहे निर्माण को रोकने हेतु एवं नवीन मानचित्र कार्यालय । मौके पर किये जा रहे निर्माण के सम्बन्ध को प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया प्राधिकरण द्वारा पहाड के कटाव बाबत् कंटूर सर्वे भी करवाई गई जिस अनुसार उक्त स्थल मुख्य सड़क से भूमि का एंगल (कोण) 26' आता है । सड़क ढाल अधिकतम 10:1 का होगा । हिल पॉलिसी अनुसार निर्माण करते समय पहाड़ों का कटाव क्षितिज (horizontal) में अधिकतम 3.5 मीटर एवं ऊर्ध्व (vertical) में 3 मीटर से अधिक नहीं होना चाहिये । परन्तु मौके पर पहाड़ी कटींग नियमो से अधिक पाई गई, और कुछ स्थान पर नियम से अधिक पहाड़ को vertical काट दिया गया है । प्राधिकरण द्वारा जारी उक्त नोटिस दिनांक 19-04-2024 के क्रम में अप्रार्थी द्वारा जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर जारी निर्माण स्वीकृति अनुसार ही निर्माण किया जाना अंकित किया गया। उक्त जवाव प्रार्थना पत्र के साथ प्राधिकरण द्वारा जारी निर्माण स्वीकृति प्रति, माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर डी. बी. सिविल मिस सेकण्ड एप्लीकेशन संख्या 19428/2023 एवं डी.बी. सिविल रिट पिटीशन संख्या 1374 / 2019 झील संरक्षण समिति बनाम राज्य व अन्य से दिनांक 24-08-2024 की प्रति प्रस्तुत कर नियमानुसार ही निर्माण किया जाना अंकित किया गया है । अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत जवाब प्रार्थना पत्र संतोषप्रद नही पाया गया । अप्रार्थी को नोटिस के माध्यम से माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में मौके पर निर्माण रोके जाने हेतु निर्देशित किया गया था । प्राधिकरण द्वारा जारी निर्माण स्वीकृति के बिन्दु संख्या 11 में निर्देशित किया गया कि "यह निर्माण स्वीकृति इस स्वीकृति पत्र के जारी होने की दिनांक 21-04-2023 से दिनांक 31-03-2024 तक मान्य है ।" इसके साथ ही बिन्दु संख्या 37 से भी यह स्पष्ट किया गया है कि " राज्य सरकार / न्यास द्वारा इस भूखण्ड तथा निर्माण स्वीकृति के सम्बन्ध में कालान्तर में अन्य कोई भी शर्त जनहित में लगाई जाती है तो उसकी पालना करना अनिवार्य होगा तथा नियमानसार अन्य विधि स्वीकृतिया अपने स्तर पर आवेदक को प्राप्त करनी होगी।" इस क्रम में जारी स्वीकृति के बिन्दु संख्या 11 अनुसार भी निर्माण स्वीकृति का नवीनीकरण नहीं करवाया गया है । प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय के आदेशो के क्रम में प्राधिकरण द्वारा दिनांक 09-05-2024 को मौका निरीक्षण किया गया था, जिस पर भी उक्त स्थल पर निर्माण कार्य चालू पाया गया जिसे रूकवाया गया एवं निर्माण कार्य नही करने हेतु पाबन्द किया गया । इस उपरान्त भी दिनांक 04-09-2024 को मौका निरीक्षण के दौरान भी मौके पर निर्माण कार्य चालू पाया गया जिसे पुनः रूकवाया गया, जिसमें पाया गया कि आप द्वारा मौके पर भवन निर्माण अनुमति के ब्लॉक सी-1 एवं सी-2 में लगभग 16722 वर्गफीट नव निर्माण आर.सी.सी. का किया गया है एवं ब्लॉक ए-1 में पूर्व केवल जी +1 का अर्द्धनिर्मित निर्माण था उसके स्थान पर अब 3720 वर्गफीट जी+2 का निर्माण किया जा चुका है, जो स्पष्टतया माननीय न्यायालय के आदेशो की भी अवहेलना । इस पर प्राधिकरण के पत्रांक क्रमांकः F.16 ( ) Teh./Unth/Sec.32/2024/167, Date: 12-09-2024 से नोटिस जारी किया गया, जिसका आपके द्वारा प्रत्युततर नहीं दिया गया एवं दिनांक 18-10-2024 को भी वक्त भ्रमण प्राधिकरण निरीक्षक दल द्वारा निरीक्षण के दौरान मौके पर निर्माण कार्य चालु पाया गया । इस प्रकार उक्त निर्माण को बार-बार रूकवाये जाने एवं रोकने हेतु स्वंय को सूचित करने के उपरान्त भी मौके पर निर्माण नही रोका जाकर अनवरत निर्माण किया जा रहा है । इस प्रकार निर्माणकर्ता द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश एवं विभागीय निर्देशों की जान बूझकर अवहेलना की जा रही है । अतः राजस्व ग्राम कालारोही (सीसारमा) के आराजी संख्या 1020 भुखण्ड संख्या 01 क्षेत्रफल 167883.55 वर्गफीट पर माननीय न्यायालय के स्थगन के उपरान्त दिनांक 19-04-2024, 09-05-2024, 04-09-2024, 18-10-2024 को रूकवाये जाने के उपरान्त भी मौके पर किये गये समस्त निर्माण को उदयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम - 2023 धारा 36 के तहत सील करने के आदेश किये जाते है । तहसीलदार प्राधिकरण उक्त अवैध निर्माण को सील कर पालना प्रस्तुत करें ।

# कहां सोए हैं सांसद, विधायक, कलेक्टर,नेता मस्त, जनता त्रस्त, एमबी में हड़ताल से चरमराई व्यवस्था, कोई देखने वाला नहीं, पांच घंटे कतार के बाद हुए डाक्टर भगवान के दर्शन, सैंकड़ों ऑपरेशन टले



**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल की वजह से हाल बेहाल हो गए हैं। आम दिनों में भी यहां पर मरीजों की लंबी कतारें लगती हैं लेकिन इन दिनों वायरल बुखार और डेंगू का जबर्दस्त प्रकोप होने से स्थितियां और अधिक गंभीर हो गई हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के साढ़े पांच सौ से अधिक रेजिडेंट हड़ताल पर हैं जिसके कारण अब तक सौ से अधिक ऑपरेशन टाले जा चुके हैं। मरीजों को हो रही दिक्कत पर अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि किसी भी मरीज को जिसने पर्ची कटवा ली है, उसको बिना उपचार लिए नहीं जाने दिया जाएगा, ऐसी व्यवस्था की गई है। लेकिन आज आउटडोर में हालात बड़े ही गंभीर दिखाई दिए। आपको बता दें कि अभी आरएनटी के 260 सीनियर डॉक्टरों और 40 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने ओपीडी की व्यवस्थाओं को संभाला है। इमरजेंसी के तो हाल और भी बुरे हैं। चार दिन पहले ही हमने आपको इस अस्पताल का वो नजारा दिखाया था जिसमें यहां पर भर्ती मरीज जमीन पर लेटे हुए हैं, ठंडे मौसम के बावजूद उनके पास एक बैड तक उपलब्ध नहीं है। इस अस्पताल का फिलहाल भगवान ही मालिक है क्योंकि इतनी गंभीर स्थितियों के बाद भी ना तो जिला कलेक्टर और ना ही सांसद और विधायक ने अस्पताल का दौरा करते हुए मरीजों की तकलीफ पूछी है। उनको अपने राजनीतिक और प्रशासनिक कामों से फुर्सत ही नहीं मिल रही है। जबकि उन्हें सारे काम छोड़ कर अस्पताल को पहली प्राथमिकता में रखना चाहिए। अगर मरीज जमीन पर लेटा हुआ पल-पल पीड़ा झेल रहा है और पूरा सिस्टम सरकारी व राजनीतिक आकाओं की सेवा-चाकरी में लगा है तो जनता को भी जागने और नेताओं को जगाने की जरूरत है। बहरहाल, आज लोगों को डाक्टर देवता के दर्शन के लिए हाथ में पर्ची लिए चार से पांच घंटे लाइन में लगना पड़ा। ये स्थितियां कल दुबारा न हों, ऐसी व्यवस्था तुरंत की जानी चाहिए।

# 300 विद्यार्थियों के खाते में 9 लाख की छात्रवृत्ति वितरित की




**24 न्यूज अपडेट**

उदयपुर, 21 अक्टूबर। विद्यार्थियों को शैक्षिक प्रोत्साहन के रूप में शहर के रमा मेहता चेरिटेबल ट्रस्ट और उदयपुर तालीम तरबियत फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को मुस्लिम समाज की 213 छात्राओं और 77 छात्रों को लगभग 9 लाख रूपया छात्रवृत्ति का वितरण विद्यार्थियों के बैंक खातों में जमा किया गया। इस मौके पर छात्रवृत्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन रविन्द्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में समाजसेवी अजय एस. मेहता, हेमराज भाटी, शेख शब्बीर के. मुस्तफा, श्रीमती बतुल हबीब, सेवानिवृत उप कल्याण आयुक्त जाहिद मोहम्मद मंसुरी, संयोजक अब्दुल लतीफ मंसुरी, डॉक्टर इकबाल सागर और अनेक गणमान्य समाजसेवी उपस्थित रहे। छात्रवृत्ति समारोह की अध्यक्षता राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. सैयद इरशाद अली ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में विद्यार्थियों को पूरी तरह अपडेट रहना चाहिए। पूरी निष्ठा और ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए, टीचर व पेरेंट्स से गाइडेंस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्या ट्रेंड चल रहे हैं, उसके बारे में अवेयर रहना चाहिए, निराशा से बचना है और सिर्फ अच्छा सोचना है। कार्यक्रम समन्वयक जाहिद मोहम्मद मंसुरी ने बताया कि समारोह दौरान छात्रवृत्ति पत्रों का वितरण डॉ. वसीम अहमद, अरूण जकरिया, डॉ. रक्शी खान, इशाक मंसुरी, प्राचार्य फिरदोस खान, श्रीमती जोहरा खान, श्रीमती फातिमा मुस्तफा व अनेक प्रबुद्धजनों के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। समारोह का संचालन सुश्री नीलोफर मुनीर ने किया।

## भीलवाड़ा में दीपावली अवकाश 1 नवंबर को करने की मांग

### पुरोहित सेवा समिति ने दिया ज्ञापन, बोले-वैदिक संस्कृति के अनुसार मनाएं त्योहार



**24 न्यूज अपडेट**

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में इस बार दिवाली 1 नवंबर को मनाई जा रही है जहां दिवाली को लेकर प्रदेश भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई है वहीं भीलवाड़ा में दीवाली को लेकर इस बार असमंजस की स्थिति को देखते हुए पुरोहित सेवा समिति के बैनर तले पंचांगकर्ता , पंडित और ज्योतिषाचार्य द्वारा जिला को ज्ञापन दिया गया । जिसमें उन्होंने 1 नवंबर को लेकर अवकाश घोषित और सभी आयोजन 1 नवंबर यानी की दिवाली पर आयोजित करने की मांग उठाई है। नगर व्यास प. राजेंद्र व्यास ने कहा कि दीवाली को लेकर भीलवाड़ा शहर में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। 31 अक्टूबर को दीपावली मनाने की बात कही जा रही है और सरकार ने भी इसी दिन का अवकाश घोषित किया है। जबकि वैदिक संस्कृति के अनुसार दीपावली 1 नवम्बर को मनाई जानी चाहिए। इसी के चलते 1 नवम्बर को अवकाश घोषित करने को लेकर जिला कलेक्टर से निवेदन किया गया है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।